NSS स्टूडेंट्स ने पीपुल्स यूनिवर्सिटी में निभाई कोरोना वॉरियर की भूमिका

PCPS के स्टूडेंट्स ने शेयर किए अपने अनुभव

रिपोर्टर • IamBhopal
Mobile no. 9582826011

पीपुल्स विश्वविद्यालय भोपाल के पीपुल्स कॉलेज ऑफ पैरामेडिकल साइंस एंड रिसर्च सेंटर के राष्ट्रीय स्वयंसेवक योजना (एनएसएस) के छात्र-छात्राओं द्वारा कोरोना काल वर्ष 19-20 एवं वर्ष 20 - 21 के दौरान सरकारी एवं गैर सरकारी संगठित कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया ।

अभी सीनियर स्वयंसेवकों द्वारा पीपुल्स जनरल हॉस्पिटल में अलग-अलग भूमिका निभाते हुए कोरोना के मरीजों की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने हॉस्पिटल के अपने अनुभवों को शेयर किया। जहां उन्हें मरीजों का चिड़चिड़ापन झेलना पड़ा तो कुछ पेशेंट्स जो मन से हार चुके थे उनका हौसला बढ़ाया। इन्हीं अनुभवों को दोनों स्टूडेंट्स ने शेयर किया।

मरीजों के चिड़चिड़ापन का सामना किया

हमने करीब 1500 सैंपल इकट्ठे किए एवं उन्हें आरटी पीसीआर टेस्ट के लिए लैब में पहुंचाएं, सैंपल लेने में संक्रमण का खतरा ज्यादा रहता है, क्योंकि नमूना लेते समय मरीज के खांसने या छींकने की संभावना बहुत अधिक बढ़ जाती है। जब बायोलॉजी लैब में ज्वाइन किया तब कोरोना का बहुत डर था, स्वयं को भी एवं पेशेंट को भी इस कारण मरीजों के चिड़चिड़ापन का भी लगातार सामना किया। मेरी कोशिश रहती थी मरीजों का शांत मन से सैंपल कलेक्ट कर उन्हें समझाइश देना ताकि वह नियमित रूप से दवाइयां ले । -वैभव गुप्ता, बीएमएलडी, फाइनल ईयर

मरीजों का हौसला बढ़ाया

कोरोना ड्यूटी की प्रारंभिक समय में थोड़ी सी दिक्कतें आई पीपीई किट पहनने प्रक्रिया सैंपल कलेक्शन प्रक्रिया मरीजों से व्यवहार एवं उन्हें डील करने में कुछ समय लगा लेकिन समय ने वह भी सिखा दिया। सैंपल कलेक्शन के समय कुछ मरीज ऐसे भी आते थे जो मन से हार चुके थे उनका हौसला बढ़ाया। हमें डॉक्टर्स के पास जाना चाहिए सरकार हमारी मदद करने के लिए खड़ी हुई है एवं हमारे लिए फ्री कोविड सेंटर चालू किए हैं, जहां मुफ्त इलाज सरकार के खर्चे पर हो रहा है हम स्वस्थ रहेंगे तभी हम अपने परिवार की मदद कर पाएंगे। - अनिल कुमार, डीएमएलटी, सेकंड ईयर